महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

(मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित)

पाणिनिधारा

त्रैमासिक वार्ता पत्रिका सत्र

(नवम्बर–दिसम्बर 2022–जनवरी 2023)

संत सूरदास

देवास मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)

• E-mail : regpsvvmp@rediffmail.com

• Website : www.mpsvv.ac.in

कालिदास संस्कृत साहित्य अकादमी एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त आयोजन में महाकवि कालिदास द्वारा रचित मालविकाग्निमित्रम् नाटक की भव्य प्रस्तुति वि.वि. के छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई।

- संरक्षक
  आचार्य विजयकुमार सी.जी., कुलपति
- सम्पादक
  डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी
- सह-सम्पादक
  डॉ. रुपाली सारये
- प्रकाशक
  डॉ. दिलीप सोनी, कुलसचिव

विद्या विभाग

भारतीय शिक्षण मंडल महिला प्रकल्पए मालवा प्रांत के संयुक्त तत्त्वावधान में भगिनी निवेदिता के जन्मपर्व के उपलक्ष्य में भगिनी निवेदिता का भारत में अवदान विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया।

योग विभाग

योग विभाग द्वारा लोककल्याण के लिए योग विषय पर परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योगगुरू योगाचार्य श्री भरत गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति जी विजयकुमार सी.जी. द्वारा की गयी।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2022–2023 में अनेक स्पर्धाओं में विश्वविद्यालय के छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किये।

कालिदास समारोह

अखिल भारतीय कालिदास समारोह के समापन सत्र में अखिल भारती वाद–विवाद व काव्यपाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की विजेता छात्रों का मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्रीमती अनुसुईया उइके जी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

आई.के.एम. डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय, आयुष मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हर दिन हर घर आयुर्वेद सेज वि.वि. इंदौर में उद्घाटन में अतिथि के रूप में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. उपस्थित रहे।

शिक्षण संचालनालय स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित कालिदास समारोह के शुभारम्भ कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी ने सहभागिता की।

श्री रामदासस्वामी संस्थान, सज्जनगढ़ का श्री समर्थरामदास स्वामी पुरस्कार वितरण समारोह माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

श्री कालिदास संस्मरण समारोह समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. मुख्यवक्ता के रूप में सहभागी रहे।

लोकमान्य बापूजी अणे महिमा महाविद्यालय, यवतमाल, अमरावती के सहयोग से अस्मिता शिक्षण मंडल महात्मा ज्योतिषा फुले महाविद्यालय के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यवक्ता माननीय कुलपति जी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कालिदास समारोह म.प्र. संस्कृति विभाग एवं विक्रम विश्वविद्यालय के संयुक्त आयोजन राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संस्कृति की दीपशिखा कालिदास में माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए सहभागिता की।

डिग्री कॉलेजए वाराणसी में दस दिवसीय राष्ट्रीय वैदिक गणितीय कार्यशाला के समापन सत्र में उपस्थित माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी.।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव के संदर्भ में विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव–2023 का आयोजन किया गया।

मुनिश्री आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज के साथ तपोभूमि आश्रम पर भेंट की एवं महाराज जी ने बड़ी संख्या में संस्कृत ग्रन्थ के प्रकाशन प्रक्रिया में वि.वि. के सहयोग का संकल्प किया।

न्यायशास्त्र के मूर्धन्य विद्वान पद्म विभूषण प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी जी से माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने सौजन्य भेंट की।

जबलपुर के सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान प्रो. कृष्णकांत चतुर्वेदी जी के साथ माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. से सौजन्य भेंट की।

जबलपुर में संस्कृत जगत की प्रख्यात विदुषी डॉ. इला घोष से माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. द्वारा सौजन्य भेंट की।

माननीय कुलपति जी द्वारा संबंधित महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर नगर निगम लोकनायक शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, जबलपुर का निरीक्षण किया तथा संविधान दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, भोपाल में विश्वविद्यालय के छात्रों ने अक्षरश्लोकी, वेदांत भाषा, न्यायशास्त्रार्थ विचार, न्याय भाषण, प्रश्न मंच, साहित्य भाषण आदि स्पर्धाओं में पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

छात्र सम्मेलन के विशिष्ट सत्र में उपस्थित छात्रों को ज्ञानवर्द्धन के साथ उत्साह संचार करते हुए माननीय कुलपति महोदय।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन, स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन के साथ विक्रम कीर्ति मंदिर, उज्जैन में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित वास्तुशास्त्रीय नगर नियोजन एवं राजाभोज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई।

द्वितीय दिवस

तृतीय दिवस

विश्वविद्यालय के युनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत योग विभाग द्वारा निःशुल्क योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केन्द्र का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. अखिलेशकुमार पाण्डेय, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. द्वारा किया गया।

श्री महाकालेश्वर एवं श्री केदारनाथ ज्योतिर्लिंगः लोकचर्चा विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन त्रिवेणी कला एवं पुरातत्त्व संग्रहालय सभागार, उज्जैन में सम्पन्न हुआ।

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन एवं कला सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय, सैम ग्लोबल वि.वि. द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक योगदान राष्ट्रीय विमर्श में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के अंतर्गत सायंकालीन संस्कृत कक्षा का माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. की अध्यक्षता में उद्घाटन लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन में किया गया।

गीता जयंती के अवसर पर श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत श्रीमान रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य जी का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया, साथ ही श्रीमद्भागवत जी का सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर, शिक्षा महाविद्यालय, ऋषिनगर उज्जैन द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी मुख्यवक्ता के रूप में सहभागी रहे।

श्री नारायण गुरू संगठन एस.एन.जी.सी. का यूनिवर्सल फेडरेशन द्वारा आयोजित इन्टरनेशनल बुक फेस्टिवल कोच्ची, केरला में माननीय कुलपति जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, मध्यभारत प्रांत उज्जैन नगर इकाई के परिवार मिलन समारोह में माननीय कुलपति का सम्मान किया गया।

कला एवं वाणिज्य माधव महाविद्यालय, उज्जैन एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रीरामचरितमानस पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी में माननीय कुलपति महोदय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महाकालेश्वर मंदिर में जलस्तम्भ लोकार्पण के अवसर पर माननीय संस्कृति मंत्री के साथ माननीय संघ संचालक श्री मोहन भागवत जी का स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी.।

पंचमहाभूत की अवधारणा पर पर्यावरण का देशज विमर्श स्थापित करने हेतु आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सुजलाम् के तृतीय दिवस में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने शास्त्रों में प्रतिपादित पंचमहाभूतों के सिद्धांतों को सरल भाषा में आधुनिक विज्ञान के समन्वय के साथ प्रचारित-प्रसारित करने की बात नहीं।

मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण, म.प्र. शासन एवं जनअभियान परिषद् एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधन में वेद-वेदांग जल सम्मेलन तथा पुजारी, पुरोहित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पंचमहाभूत के जल तत्त्व पर भारतीय विमर्श स्थापित करने हेतु आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सुजलाम् में तृतीय दिवस में माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं आनंदीलाल जोशी की पुस्तक सुमंगली का विमोचन किया गया।

स्वामी महाराज शताब्दी समारोह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर अक्षर पुरूषोत्तम दर्शन का वैदिक परम्परा में योगदान विषय पर अहमदाबाद, गुजरात, भारत में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. सहभागी रहे।

कालिदास संस्कृत अकादमी, कल्पवल्ली कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी द्वारा सरमा पाणि संस्कृत नाटक कलाकारों का अभिनन्दन किया गया।

हिन्दी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में श्री राममूर्ति त्रिपाठी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. द्वारा अतिथि रूप में सहभागिता की गई।

पाणिनिधारा

अखिल भारतीय संस्कृत छात्र सम्मेलन, नागपुर में आयोजित संस्कृत प्रदर्शनी ज्ञान गंगा में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए माननीय कुलपति जी प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण द्वारा ज्ञान गंगा प्रदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा वास्तुशास्त्रीय प्रदर्शनी भी लगाई गई।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति जी अध्यक्षता में डॉ. उर्मि शर्माए पूर्व प्राचार्य कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन एवं पूर्व परीक्षा नियंत्रक लोकसेवा आयोम म.प्र. द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में युवा चेतना विषय पर डॉ. गोविन्दागन्धे प्राचार्य, लोकमान्य तिलक महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा व्याख्यान दिया गया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत समाज को योग के प्रति सचेत करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण।

विश्वविद्यालय में अमेरिका संगणक कंपनी एवं संस्कृत प्रेमी श्री रमण त्रिपाठी जी एवं श्री आशुतोष जी द्वारा सौजन्य भेंट की गई।

वास्तु तत्त्व महाकाव्य लेखक मुनि श्री दिगम्बराचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के ग्रंथ को डॉ. जयंत कीर्ति जी महाराज द्वारा माननीय कुलपति जी को भेंट की गई।

अखिल भारतीय कालिदास समारोह में संस्कृत कवि समवाय में विश्वविद्यालय के डॉ. तुलसीदास परौहा, डॉ. रामकुमारी, डॉ. शिवानंद मिश्र द्वारा काव्यपाठ प्रस्तुत किया गया।

डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक, वेद व्याकरण विभाग द्वारा स्वामी नारायण आश्रम में महंत श्री से सौजन्य भेंट की गई तथा विश्वविद्यालय का साहित्य भेंट किया गया ।

पाणिनिधारा

राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति जी द्वारा समस्त प्राचार्य, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रों को मतदान की शपथ ग्रहण कराई गई।

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया एवं बसंती पंचमी के पावन पर्व पर सरस्वती माँ का पूजन किया गया।

छात्राः शुभाशयाः

पराक्रम दिवस
सुभाषचंद्र बोस जी

आमंत्रण

वसन्तपञ्चमी

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
संत नामदेव जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रो. विजयकुमार सी.जी.

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
एक दिवसीय व्याख्यान
भगिनी निवेदिता का भारत के लिए अवदान

2023

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
राष्ट्रीय युवा दिवस
स्वामी विवेकानंद

परिचर्चा एवं संवाद
लोककल्याण के लिए योग
आयोजक - योग विभाग

उज्जयिनी

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
राष्ट्रीय युवा सप्ताह

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
विश्व हिन्दी दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

संविधान दिवस
26 नवम्बर

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
निःशुल्क योग प्रशिक्षण एवं
योग चिकित्सा केन्द्र
शुभारम्भ

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
कालिदासदिवसस्य
हार्दाः शुभाशयाः

भारतीय
नौसेना दिवस

वाराणसी

भारतीय ज्ञान परम्परा को जानबूझ कर किया गया विकृत : प्रो. विजय कुमार

ब्रह्मास्त्र

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गीता जयंती कार्यक्रम

श्रीमद्भगवत् गीता निःस्वार्थ रूप से कर्म करने के लिये प्रेरित करती है

सायंकालीन संस्कृत कक्षा का औपचारिक रूप से उद्घाटन

उज्जैन। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र के तत्वावधान में सायंकालीन संस्कृत कक्षा का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति आचार्य विजयकुमार सीजी उपस्थित रहे। जिनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय परिसर नीलगंगा में कक्षा का शुभारंभ कुलपति के कर कमलों द्वारा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए आचार्य ने कहा कि विश्व की सभी भाषाओं में संस्कृत सबसे प्राचीन भाषा है। यह संस्कृत भाषा, सभी भारतीय भाषाओं की जननी, वैज्ञानिक और सुसंस्कृत है। संस्कृत के अध्ययन को प्रारंभ करने के लिए आवश्यक रूप से होना चाहिए। केंद्र निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत के बिना भारत भारत नहीं है संस्कृत भारत की आत्मा है। संस्कृत में ज्ञान की अमूल्य थाती है। महाविद्यालय के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी नितिका भालेराव ने अतिथियों का स्वागत किया।

आध्यात्म और विज्ञान का केंद्र है ज्योतिर्लिंग -डॉ. यादव

श्री महाकालेश्वर और श्री केदारनाथ ज्योतिर्लिंगों पर लोकचर्चा विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

संगोष्ठी में संबोधित करते मंत्री डॉ. यादव एवं मंचासीन अन्य अतिथिगण।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नईदिल्ली, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में शनिवार को त्रिवेणी संग्रहालय में श्री महाकालेश्वर एवं श्री केदारनाथ ज्योतिर्लिंग- लोकचर्चा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने गीता, उपनिषद, योग जैसे विषयों की वैज्ञानिकता को स्पर्श करते हुए उन्होंने कहा महाकाल उज्जैन में आध्यात्मिकता के साथ वैज्ञानिकता छिपी हुई है। काल चिंतन पर उन्होंने कहा उसमें सब परिवर्तनशील है। बीज वक्ता के रूप में मेलबर्न विवि प्रो. एस. भारद्वाज ने कहा महाकाल में पाशुपत संप्रदाय प्रसिद्ध रहा है। लकुलीश संप्रदाय का संबंध उज्जैन से रहा है। इसमें भस्म का संबंध भी बताया गया है, जो आज भस्मारती के रूप में प्रचलित है। कुलपति प्रो. अखिलेशकुमार पांडेय ने कहा भगवान शिव पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता का संदेश देते हैं।

प्रथम शोध सत्र में भारत सरकार नईदिल्ली से पद्मश्री सिद्धेश्वर ने कहा महाकाल लोक की मूर्तियों की भाव भंगिमाएं शास्त्र वचनों को परिलक्षित करती हैं। द्वितीय शोध सत्र में डॉ. प्रकाश पंत (उत्तराखंड) ने केदारधाम के भौगोलिक एवं आध्यात्मिक चिंतन करते हुए वहां की स्थिति एवं नष्ट को उजागर किया। डॉ. तुलसीदास परोहा ने महाकाल वन की स्तुति में पुनः जीवंत कर प्राचीन पर्यावरण चिंतन को सार्थक करने का प्रयास रखा। सत्र संचालन डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने किया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी ने की।

डीएवी में वैदिक गणित का सर्टिफिकेट कोर्स

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज में सोमवार को वैदिक गणित के छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ हुआ। वैदिक गणित कार्यशाला के समापन पर यह घोषणा हुई।

मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि, उज्जैन के कुलपति प्रो. विजय कुमार सीजी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा समग्र परम्परा है। प्रो. पांजलि मिश्र ने कहा कि किंडर गार्टन पद्धति का जनक मूलरूप से भारत ही है, विशिष्ट अतिथि व प्रो. उमेश पाण्डेय व सारस्वत अतिथि अजीत सिंह यादव थे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सत्यदेव सिंह ने की।

भारतीय ज्ञान परंपरा को किया गया विकृत

बोले प्रो. विजय कुमार

नई शुरुआत • योगाभ्यास, योग

संस्कृत विवि में निःशुल्क योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केंद्र की स्थापना

अतिथियों में संस्कृत का राज्यस्थिरी को दे रहे जानकारी

THREE-DAY INTERNATIONAL RESEARCH SEMINAR

Aspects of city planning on Vastu discussed

FP NEWS SERVICE
Ujjain

Under the joint aegis of Maharaja Vikramaditya Shodhpeeth, Maharshi Panini Sanskrit and Vedic University and Vikram University, a three-day international research seminar on "Architectural Town Planning and Raja Bhoj" was inaugurated.

In the inaugural session, Vikram University proctor Prof Shailendra Kumar Sharma said that a series is going-on about Raja Bhoj. Bharatiya Vidya and Rajabhoj is an important book which shows the difference between archaeological evidence, availability of Samrat Devaloya, historical evidence, literary evidence, drawing through poetry and folk evidence among kings.

While chairing the inaugural session Prof Vijayakumar CG, vice-chancellor, Maharshi Panini Sanskrit and Vedic University, said that there is a need to re-read ancient texts. It is necessary to take a decision only after duly studying the Vastu Shastra texts.

Prof Vinay Kumar Pandey, former chairman of the department of astrology, Kashi Hindu University, Varanasi while giving his keynote speech said that the cover of Satvik tradition is necessary for progressive India. Raja Bhoj and Vikramaditya were such great men who made an unprecedented contribution to public awareness on architecture. Raja Bhoj had been an unprecedented conductor of Indian knowledge tradition.

Saints and scholars light a lamp to inaugurate the international seminar in Ujjain FP PHOTO

Successful efforts are being made to write a new chapter in the Indian knowledge tradition. It is necessary to follow the Indian tradition of knowledge for the four-fold effort. Ram Tiwari, director, Vikramaditya Shodhpeeth, called research on Bhoj's urban architecture a matter of pride. Explaining the purpose of the seminar, he said that there are many texts of Rajabhoj which are based on Vastu, which needs to be brought before the public.

Dr Upendra Bhargava gave the vote of thanks in the session. The programme was conducted by Dr Vijay Sharma. While presiding over the second session, the head of the department of astrology, Central Sanskrit University, Bhopal said that the Vastu subject is furnished on the basis of measurements.

Dr Srinivas Panda said that from the modern perspective, city planning is necessary in accordance with many imperatives of Vastu. Prof Prasad Gokhale said that various architectural schemes are based on a certain principle, whose implementation and management prove the relevance of Rajabhoj in Vastu Shastra. The evening session was presided over by Prof Krishna Kumar Pandey, Kavikulguru Sanskrit University, Nagpur. He said that building construction is the basic principle of Vastu, in which the discussion of the habitat of all living beings is found. Dr Nirbhay Pandey presented his views on the main principles of urban investment.

Shrimad Bhagwad Gita inspires us to work selflessly: Rohit Shastri

पाणिनिसंस्कृतविश्वविद्यालये गीताजयन्त्युत्सवः

गुप्ता को योग विभूषण उपाधि से किया गया सम्मानित

WINNERS TO GET PRIZES ON NOV 11

Inter-university Sanskrit and Hindi debate, poetry competition held

MHOW/DEWAS NEWS

भारतीय ज्ञान परंपरा दुनिया को दिशा देने में सक्षम : प्रो. विजय कुमार सीजी

उच्च कोटि के विद्वान और आलोचक थे आचार्य त्रिपाठी -प्रो. मेन

Use Sanskrit's power for launching startups: Maha Governor Koshyari

11th convocation of Kavikulguru Kalidas Sanskrit University held

प्रतिवेदन

क्र.	दिनांक	विवरण
1.	1.11.2022	"मध्यप्रदेश स्थापना दिवस" कार्यक्रम में उपस्थित रहें।
2.	2.11.2022	"अखिल भारतीय कालिदास समारोह" के अवसर पर मुख्य अतिथि रूप में वागार्चन कार्यक्रम में उपस्थित रहें।
3.	3.11.2022	1- आईकेएस डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय, आयुष मंत्रालय और संस्कृति द्वारा प्रायोजित (दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन) "हर दिन हर घर आयुर्वेद, सेज विश्वविद्यालय, इंदौर" उद्घाटन में अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। 2- संस्कृत भारती (प्राध्यापक श्रेणी) दीपावली मिलन समारोह, कार्यालय मालीपुरा, उज्जैन में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
4.	4.11.2022	1- शालेय राज्यस्तरीय "एकाविंशतिम् शालेय" कालिदास समारोह में मारम्वत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 2- आचार्य रामभद्राचार्य जी से सत्संग। 3-महामहिम राज्यपाल जी से सौजन्य भेंट। 4- अखिल भारतीय कालिदास समारोह के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे। 5- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत मालविकाग्निमित्रम् संस्कृत नाटक के प्रदर्शन में उपस्थिति रहे।
5.	5.11.2022	1- अखिल भारतीय कालिदास समारोह एवं मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विक्रम विश्वविद्यालय एवं कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के आयोजन राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संस्कृति की दीपशिखा कालिदास में सत्र के अध्यक्ष रूप में उपस्थित रहें। 2- जन अभियान परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक। 3- कालिदास संस्कृत अकादमी में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के प्रथम सत्र में आप मारम्वत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
6.	6.11.2022	संस्कृत भारती द्वारा हरियाणा राज्य के "समलखा" गांव में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी में उपस्थित रहे।
7.	7.11.2022	संस्कृत भारती द्वारा हरियाणा राज्य के "समलखा" गांव में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी में उपस्थित रहे।
8.	8.11.2022	संस्कृत भारती द्वारा हरियाणा राज्य के "समलखा" गांव में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी में उपस्थित रहे।
9.	9.11.2022	1- प्रो. सुधा के.के. शासकीय महाविद्यालय, बेंगलुरु के साथ महाकाल दर्शन किया। भारतीय शिक्षण मंडल एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में "भगिनी निवेदिता का भारत के लिए अवदान" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजन में अध्यक्ष रूप में उपस्थित रहे। 2- यूजीसी नेट - जीआरएफ उत्तीर्ण छात्र एवं अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अन्तर्गत होने वाली प्रतियोगिता काव्यपाठ, वादविवाद प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्रों का सम्मान किया गया।
10.	10.11.2022	1- डॉ. सन्ध्या पुरेचा, बेंगलुरु के साथ सौजन्य भेंट। 2- अखिल भारतीय कालिदास समारोह के समापन सत्र में उपस्थित रहे।
11.	11.11.2022	"लोककल्याण के लिए योग" विषय पर परिचर्चा एवं संवाद कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।
12.	12.11.2022	माधव साईन्स कॉलेज, उज्जैन में जैन संत आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज संत्संग समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, स्वागत किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया एवं अभिनंदन पत्र भेंट किया।
13.	13.11.2022	श्री रामदास स्वामी संस्थान सज्जनगढ़ के श्री समर्थ रामदास स्वामी पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहें। डॉ. अवनिका देशमुख (राष्ट्रिय कीर्तनकार) के सौजन्य।
16.	16.11.2022	अस्मिता शिक्षण मंडल महात्मा ज्योतिष फुले महाविद्यालय, अमरावती (संत गाडगे बाबा अमरावती से संबद्ध) के सहयोग से लोकमान्य बापूजी ठी महिला महाविद्यालय यवतमाल के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहें।
17.	17.11.2022	1- राज्यस्तरीय युवा उत्सव के संदर्भ में विश्वविद्यालय स्तरीय युवाउत्सव के उद्घाटन सत्र में आभासी माध्यम से अध्यक्ष रूप में उपस्थित रहें। 2- कविकुलगुरू कालिदास विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर (महाराष्ट्र) में "कार्ययोजना एवं विकास बोर्ड" की बैठक में उपस्थित रहें।
18.	18.11.2022	राज्यस्तरीय युवा उत्सव के संदर्भ में विश्वस्तरीय युवा महोत्सव सम्पूर्ति समारोह में उपस्थित रहें।
19.	19.11.2022	मुनिश्री प्रज्ञासागर महाराज जी के साथ उज्जैन तपोभूमि आश्रम में सौजन्य भेंट एवं बड़ी संख्या में संस्कृत ग्रन्थों का प्रकाशन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय परिवार की सहभागिता हेतु प्रयास।
20.	20.11.2022	1- डीएवी डिग्री कॉलेज वाराणसी, काशी विश्वनाथ में दस दिवसीय "वैदिक गणित पाठ्यक्रम लोकार्पण एवं राष्ट्रीय कार्यशाला" सम्पूर्ति समारोह में उपस्थित रहे। 2- न्यायशास्त्र मूर्धन्य विद्वान पद्मविभूषण प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी जी से सौजन्य भेंट।""

प्रतिवेदन

क्र.	दिनांक	विवरण
21.	21.11.2022	1- डीएवी डिग्री कॉलेज वाराणसी, काशी विश्वनाथ में दस दिवसीय "वैदिक गणित पाठ्यक्रम लोकार्पण एवं राष्ट्रीय कार्यशाला" सम्पूर्ति समारोह में उपस्थित रहे।
22.	22.11.2022	श्री जनार्दन पैठणकर एवं श्री रामभानसिंह, देवास, चौरासी महादेव कार्यक्रम पर चर्चा।
25.	25.11.2022	निर्मला शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कीर्ति डीडूडी से सौजन्य भेंट।
26.	26.11.2022	प्रो. इला घोष, प्रख्यात वरिष्ठ संस्कृत विदुषी से जबलपुर में उनके निजनिवास पर सौजन्य भेंट।
27.	27.11.2022	1- संस्कृत भारती महाकौशल संगोष्ठी, जबलपुर में सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान प्रो. कृष्णकांत चतुर्वेदी जी के साथ सौजन्य भेंट की उनका शाल श्रीफल से सम्मान किया तथा प्रो. चतुर्वेदी जी ने अपनी मौलिक कृतियां भेंट की। 2- जबलपुर में स्थित श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय का निरीक्षण करने के उपरांत सायंकाल में माँ नर्मदा की महाआरती में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।
28.	28.11.2022	"वास्तु शास्त्रीय नगर नियोजन एवं राजा भोज" विषय पर केन्द्रित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन, स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के साथ संचालनालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विक्रम कीर्ति मंदिर सभागार, उज्जैन में आयोजित की गयी।
29.	29.11.2022	"वास्तु शास्त्रीय नगर नियोजन एवं राजा भोज" विषय पर केन्द्रित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन, स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के साथ संचालनालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विक्रम कीर्ति मंदिर सभागार, उज्जैन में आयोजित की गयी।
30.	30.11.2022	"वास्तु शास्त्रीय नगर नियोजन एवं राजा भोज" विषय पर केन्द्रित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन, स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के साथ संचालनालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विक्रम कीर्ति मंदिर सभागार, उज्जैन में आयोजित की गयी।
31.	01.12.2022	1- "यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम" के अंतर्गत योग विभाग द्वारा सामाजिक "नि:शुल्क योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केन्द्र" का शुभारम्भ माननीय कुलपति आचार्य विजय कुमार सी. जी. कर अध्यक्षता के रूप में उपस्थित रहें। 2- विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा सांध्यकालीन संस्कृत सम्भाषण कक्षा का प्रारंभ सामाजिक नि:शुल्क संस्कृत शिविर का उद्घाटन माननीय कुलपति जी द्वारा किया गया।
32.	02.12.2022	ऑल इंडिया हेरिटेज प्रोग्राम ऑनलाइन बैठक।
33.	03.12.2022	1- श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत श्रीमान रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य जी से सौजन्य भेंट। 2- गीता जयंती के अवसर पर श्रीमद्भागवत गीता के सामूहिक पाठ "भगवद्गीता पारायण" का आयोजन किया गया।
34.	04.12.2022	प्रो. के. गणपति भट्ट, आचार्य अद्वैत वेदांत विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति का "पुरूषोत्तम योग" विषय पर आयोजित ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान में अध्यक्ष रूप में उपस्थित रहें।
35.	05.12.2022	सरस्वती शिशु मंदिर समिति, शिक्षा महाविद्यालय,ऋषिनगर, उज्जैन द्वारा "गीता जयंती" के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में माननीय कुलपति जी विजय कुमार सी. जी. उपस्थित रहे।
36.	07.12.2022	आभासी माध्यम से समस्त संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति समवाय की सभा में उपस्थित रहें।
37.	10.12.2022	श्री महाकालेश्वर एवं केदारनाथ ज्योतिर्लिंग : लोकचर्चा विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय सभागार, जयसिंहपुरा, उज्जैन में माननीय कुलपति जी अध्यक्षीय रूप में उपस्थित रहें।
38.	13.12.2022	श्री नारायण गुरू संगठन एसएनजीसी का यूनिवर्सल फेडरेशन द्वारा आयोजित मानव तक राष्ट्रहिता के लिए शिक्षा पर श्री नारायण गुरू का दृष्टिकोण विषय पर सेमीनार में उपस्थित रहे।
39.	14.12.2022	श्री नारायण गुरू संगठन एसएनजीसी का यूनिवर्सल फेडरेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल कोचीं केरला में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति जी विजय कुमार सी. जी. उपस्थित रहें।
40.	17.12.2022	1- विक्रम कीर्ति मंदिर अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहें। 2- शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली मध्यभारत प्रांत (उज्जैन नगर इकाई) के साथ बैठक में उपस्थित रहें।
41.	18.12.2022	अखिल भारतीय वेद महोत्सव 2022 इंदौर में वेदों उपादेयता पर व्याख्यान दिया गया। संस्कृत भारती एवं महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इंदौर के लोकप्रिय सांसद- श्री शंकर लालवानी, विधायक- आकाश विजयवर्गीय, पूर्व विधायक- सुदर्शन गुप्ता एवं अनेक विद्वान आचार्यों ने आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन प्राप्त किया।
42.	20.12.2022	"In Panini we Trust Discovering the Algorithm for Rule Conflict Resolution in the Astadhyayi" शोध संदर्भ के विषय में आभासी माध्यम से आयोजित एक परिचर्चा में उपस्थित रहें।""

प्रतिवेदन

क्र.	दिनांक	विवरण
43.	21.12.2022	SAM Global University, Bhopal के कला सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय एवं महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित "भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक योगदान विषय" पर आयोजित राष्ट्रीय विमर्श में "वेद एवं उपनिषद : ज्ञान के स्रोत एवं अन्वेषण यन्त्र" विषय पर कार्यक्रम में भाग लिया।
44.	22.12.2022	मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद् उज्जैन के द्वारा सुजलाम् अंतर्राष्ट्रीय जल महोत्सव में जलागम कलश यात्रा जिसमें 100 से अधिक नदियों के जल से कलश यात्रा होनी है, इसके उपलक्ष्य में कार्यक्रम हेतु बैठक में उपस्थित रहें।
45.	25.12.2022	वेद-वेदांग जल सम्मेलन तथा पुजारी पुरोहित कार्यशाला का प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
46.	26.12.2022	मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में श्री स्वामिनारायण आश्रम, शनि मंदिर, त्रिवेणी घाट, उज्जैन में वेद-वेदांग जल सम्मेलन तथा पुजारी पुरोहित कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय कुलपति जी आचार्य विजय कुमार सी. जी. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।
47.	27.12.2022	1- कलेक्टर ऑफिस में माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में विक्रमोत्सव सम्बन्धी बैठक। 1- पंचमहाभूत के जल तत्त्व पर भारतीय विमर्श अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी गंगा परिसर, मालगुड़ी, उज्जैन इंदौर रोड़, उज्जैन, मध्यप्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति जी आचार्य विजय कुमार सी. जी. उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में स्वयं द्वारा लिखित पुस्तक "सुमङ्गली" का विमोचन भी किया गया।
48.	28.12.2022	जलस्तम्भ अनावरण कार्यक्रम में माननीय श्री मोहनजी भागवत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति जी उपस्थित रहें।
49.	29.12.2022	कुलपति सम्मेलन-सुजलम।
50.	30.12.2022	स्वामी महाराज शताब्दी समारोह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर "अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन का वैदिक परंपरा में योगदान" विषय पर अहमदाबाद, गुजरात, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।
51.	31.12.2002	स्वामी महाराज शताब्दी समारोह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर "अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन का वैदिक परंपरा में योगदान" विषय पर अहमदाबाद, गुजरात, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।
52.	03.01.2023	1- वस्तुच्छ महाकाव्य लेखक मुनि श्री दिगम्बराचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के ग्रन्थ को डॉ. जयंतकीर्ति जी महाराज द्वारा सौजन्य भेंट में उपहार स्वरूप दिया गया। 2- शंकराचार्य जी की सभा में उपस्थित रहें।
53.	04.01.2023	श्री राममूर्ति त्रिपाठी जी के जन्म दिवस के अवसर पर हिन्दी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में अतिथि के रूप माननीय कुलपति जी आचार्य विजय कुमार सी. जी. उपस्थित रहें ।
54.	05.01.2023	आभासी माध्यम से समस्त संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति समवाय की सभा में उपस्थित रहें।
55.	08.01.2023	शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इंदौर में आयोजित ज्योतिष एवं वास्तु विषय पर आधारित एक दिवसीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।
56.	10.01.2023	विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. ऊर्मि शर्मा (पूर्व प्राचार्य, कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन) एवं पूर्व परीक्षा नियंत्रक लोक सेवा मध्यप्रदेश द्वारा विशिष्ट व्याख्यान में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहें।
57.	11.01.2023	विश्वविद्यालय में अमेरिका की संगणक कंपनी संचालक एवं संस्कृत प्रेमी श्री रमण त्रिपाठी जी द्वारा सदिच्छा भेंट दी गई।
58.	12.01.2023	राष्ट्रिय युवा सप्ताह के अंतर्गत स्वामी विवेकानंदजी की दृष्टि में युवा चेतना विषय पर मुख्यवक्ता डॉ. गोविन्द गंधे के व्याख्यान में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहें।
59.	13.01.2023	ऑनलाईन वर्ल्ड संस्कृति अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत पीठ बैठक 2023।
60.	15.01.2023	अमेरिका के विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं का संचालन किया गया।
61.	16.01.2023	सिम्बियोसिस यूनिवर्सिटी एआयू सेन्ट्रल झोन, इंदौर में कुलपतियों की बैठक में सम्मिलित हुए।
62.	17.01.2023	उज्जैन शिक्षा समागम कार्यक्रम में सहभागिता की। आभासी माध्यम से समस्त संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति समागम की बैठक में उपस्थित रहें।
63.	18.01.2023	स्वामी वेदात्मानंद गिरीजी महाराज आदिशंकराचार्य न्यास द्वारा माननीय कुलपति से सौजन्य भेंट की गई।
64.	20.01.2023	सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, विद्या परिषद् आभासी सभा।
65.	23.01.2023	शाम. माधव कला वाणिज्य महा. वि. में श्रीरामचरितमानस पर आधारित त्रिदिवसीय संगोष्ठी में अतिथि के रूप में।
66.	25.01.2023	राष्ट्रिय मतदान दिवस पर माननीय कुलपति जी सहित सामूहिक रूप से शपथ ग्रहण की।
67.	26.01.2023	गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण एवं बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन कार्यक्रम में उपस्थित रहें।
68.	27-29.01.2023	अखिल भारतीय छात्र सम्मेलन, संस्कृत भारती, नागपुर में अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

अन्नदानं परं दानं विद्यादानमतः परम् ।
अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया ॥

संस्कृत एवं संस्कृति प्रचार-प्रसार की दृष्टि से आप संस्था को दान भी दे सकते है।
निम्न बैंक खाता नं.
बैंक ऑफ इण्डिया, ब्रांच दशहरा मैदान, उज्जैन
IFSC Code : BKID 0009103, A/C No. 910310210000161
A/C Name : Registrar, Maharshi Panini Sanskrit evam Vedik Vishavidyalaya Ujjain (M.P.)

Design By : Devisingh